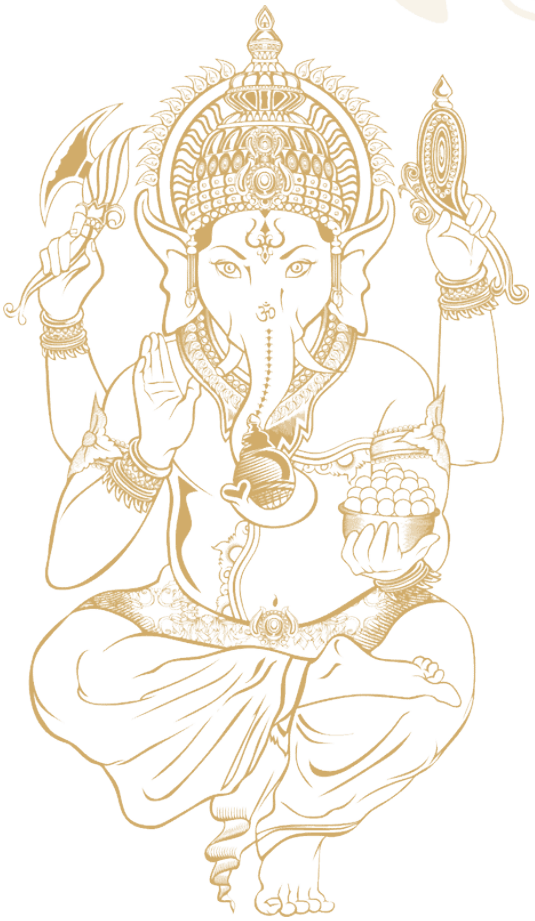

Mr. vishal maran

07 Jul 1995

05:40 PM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 119446906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/07/1995**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:40:00 घंटे**
इष्ट	30:00:51 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:19:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:47 घंटे
साम्पातिक काल	12:19:50 घंटे
सूर्योदय	05:39:39 घंटे
सूर्यास्त	19:10:00 घंटे
दिनमान	13:30:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:07:46 मिथुन
लग्न के अंश	00:56:13 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:56:13	325:42:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	21:07:46	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	12:31:49	14:04:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	28:11:50	00:33:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	01:14:17	01:27:10	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	12:45:44	00:04:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	08:55:51	01:13:25	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मीन	00:57:14	00:00:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	08:57:12	00:00:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	08:57:12	00:00:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:15:38	00:02:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:37:34	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:17:36	00:00:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कन्या	11:36:35	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:49

लग्न-चलित

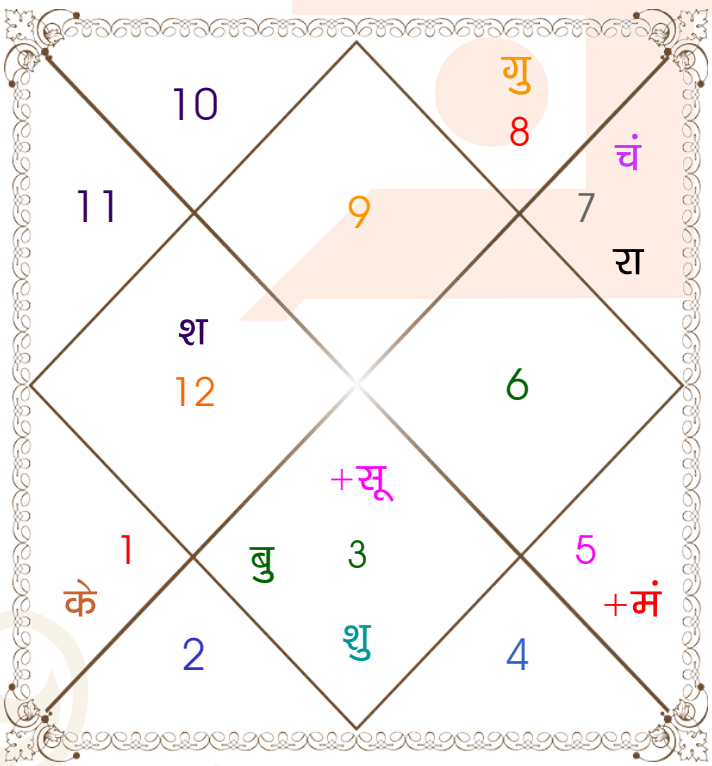

चन्द्र कुंडली

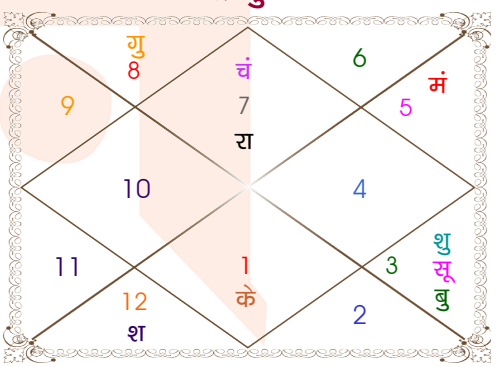

नवमांश कुंडली

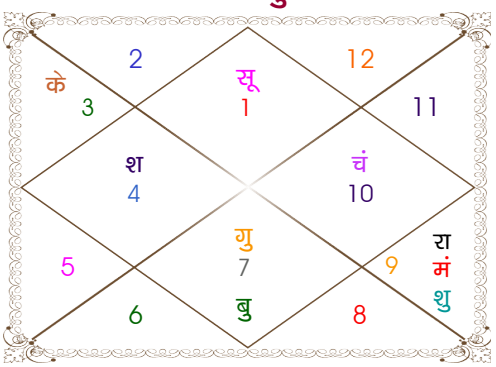

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 1 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/07/1995		06/08/2005		06/08/2021		06/08/2040		06/08/2057	
06/08/2005		06/08/2021		06/08/2040		06/08/2057		06/08/2064	
	00/00/0000	गुरु	25/09/2007	शनि	09/08/2024	बुध	03/01/2043	केतु	03/01/2058
	07/07/1995	शनि	07/04/2010	बुध	19/04/2027	केतु	31/12/2043	शुक्र	05/03/2059
शनि	20/07/1995	बुध	13/07/2012	केतु	28/05/2028	शुक्र	31/10/2046	सूर्य	11/07/2059
बुध	05/02/1998	केतु	19/06/2013	शुक्र	29/07/2031	सूर्य	06/09/2047	चंद्र	09/02/2060
केतु	24/02/1999	शुक्र	18/02/2016	सूर्य	10/07/2032	चंद्र	05/02/2049	मंगल	07/07/2060
शुक्र	23/02/2002	सूर्य	06/12/2016	चंद्र	08/02/2034	मंगल	02/02/2050	राहु	25/07/2061
सूर्य	18/01/2003	चंद्र	07/04/2018	मंगल	20/03/2035	राहु	21/08/2052	गुरु	01/07/2062
चंद्र	19/07/2004	मंगल	14/03/2019	राहु	24/01/2038	गुरु	27/11/2054	शनि	10/08/2063
मंगल	06/08/2005	राहु	06/08/2021	गुरु	06/08/2040	शनि	06/08/2057	बुध	06/08/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/08/2064		06/08/2084		07/08/2090		07/08/2100		08/08/2107	
06/08/2084		07/08/2090		07/08/2100		08/08/2107		00/00/0000	
शुक्र	07/12/2067	सूर्य	24/11/2084	चंद्र	07/06/2091	मंगल	03/01/2101	राहु	20/04/2110
सूर्य	06/12/2068	चंद्र	25/05/2085	मंगल	06/01/2092	राहु	22/01/2102	गुरु	13/09/2112
चंद्र	07/08/2070	मंगल	30/09/2085	राहु	07/07/2093	गुरु	29/12/2102	शनि	08/07/2115
मंगल	07/10/2071	राहु	25/08/2086	गुरु	06/11/2094	शनि	07/02/2104		00/00/0000
राहु	07/10/2074	गुरु	13/06/2087	शनि	06/06/2096	बुध	03/02/2105		00/00/0000
गुरु	07/06/2077	शनि	25/05/2088	बुध	06/11/2097	केतु	02/07/2105		00/00/0000
शनि	06/08/2080	बुध	01/04/2089	केतु	07/06/2098	शुक्र	01/09/2106		00/00/0000
बुध	07/06/2083	केतु	06/08/2089	शुक्र	06/02/2100	सूर्य	07/01/2107		00/00/0000
केतु	06/08/2084	शुक्र	07/08/2090	सूर्य	07/08/2100	चंद्र	08/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।